सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 89 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 3 मई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

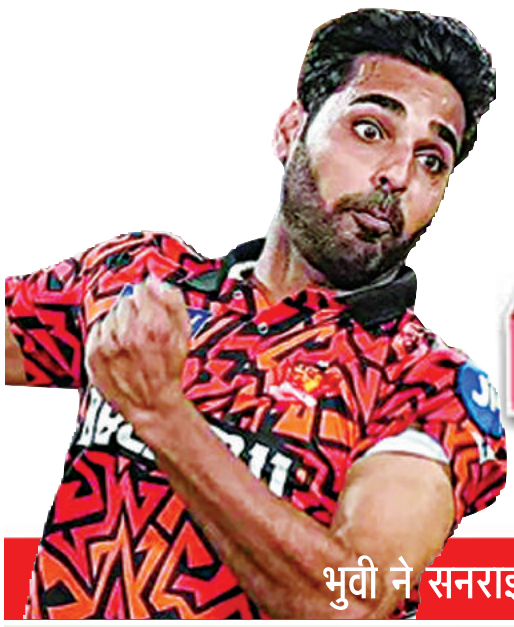

व्यक्ति अकेले पैदा होता है और अकेले मर जाता है और वह अपने अच्छे और बुरे कर्मों का फल खुद ही भुगतता है और वह अकेले ही नर्क या स्वर्ग जाता है।
-चाणक्य

भुवी ने सनराइजर्स की बढ़ाई... 7 | झूठे प्रचार का अड्डा बन रहे प्रतिष्ठित... 3 | रेवन्ना का सेक्स स्कैंडल मास रेप... 2

राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने के ऐलान से बीजेपी बेचैन

आज दोपहर में करेंगे नामांकन, कांग्रेस में खुशी की लहर

» भाजपा के दिनेश प्रताप सिंह को देंगे कड़ी चुनौती

» भाजपा बोली- अमेठी के बाद अब वायनाड व रायबरेली भी छोड़ेंगे

» अब मां की विरासत संभालेंगे राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिर राहुल गांधी ने रायबरेली से चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया है। शुक्रवार की सुबह जैसे ही यह खबर आई रायबरेली समेत पूरे देश में कांग्रेस के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोक सभा चुनाव लड़ने के फैसले के साथ ही राहुल व उनकी टीम रायबरेली के लिए रवाना हो गए है। वह आज दोपहर में नामांकन भी करेंगे। उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, मां सोनिया गांधी व बहन प्रियंका गांधी के आने की संभावना है।

उधर राहुल गांधी के रायबरेली से लड़ने के ऐलान के साथ ही बीजेपी व राजग के सहयोगी बेचैन हो गए हैं। ऐसा माना जा रहा है यहां से राहुल के चुनाव लड़ने इस इलाके के कई लोकसभा सीटों पर अच्छा खासा असर पड़ेगा और इंडिया गठबंधन को लाभ मिलेगा। राहुल गांधी के रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने पर पार्टी नेता दीपक सिंह ने कहा कि अमेठी के लोगों और गांधी परिवार के बीच संबंध मजबूत हैं और हमेशा ऐसे ही रहेंगे। वहीं बीजेपी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी का चुनाव नहीं लड़ना बीजेपी की विजय है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, अमेठी से राहुल गांधी का चुनाव नहीं लड़ना कांग्रेस और सपा इंडी गठबंधन की नैतिक पराजय और बीजेपी की विजय है । रायबरेली में राहुल गांधी का मुकाबला भाजपा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह से होगा। बता दें कि पहले इस सीट पर राहुल गांधी की मां सोनिया गांधी उम्मीदवार थीं। लेकिन वह अब राजस्थान से राज्यसभा सदस्य चुन ली गई हैं। इस वजह से वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी।

इस बार उन्हें रायबरेली से भी भागना पड़ेगा : बीजेपी

बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, कि इससे यह जाहिर होता है कि राहुल गांधी ने वायनाड से अपनी हार स्वीकार कर ली है। वह पहले अमेठी से भागे, अब वायनाड से और इस बार उन्हें रायबरेली से भी भागना पड़ेगा। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी वायनाड से चुनाव हार रहे हैं, इसलिए वह अब रायबरेली से चुनाव लड़ने जा रहे हैं, पहले राहुल गांधी ने अमेठी से हार मानी, अमेठी को छोड़ कर भागे, अब वायनाड को छोड़ कर भागे और इस बार उन्हें रायबरेली से भी भागना पड़ेगा। वह देश संभालने की बात करते हैं, लेकिन ना वह अमेठी संभाल पाएं, ना वायनाड संभाल पाएं। इस बार रायबरेली के लोग उन्हें सबक सिखाएंगे और राहुल गांधी को बड़े अंतर से हराएंगे। मनजिंदर सिंह ने आगे कहा कि कांग्रेस की हालत ऐसी हो गई है कि गांधी परिवार की सीट मानी जाने वाली अमेठी से वहां का कोई भी नेता चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है। पंजाब से केएल शर्मा को चुनाव लड़ने के लिए अमेठी लाया गया है।

डरो मत..अमेठी में लड़ो मत : रालोद

एनडीए के सहयोगी और राष्ट्रीय लोकदल के नेता रोहित अग्रवाल ने राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव नहीं लड़ने के फैसले पर तंज कसा और राहुल गांधी के ही नारे को दोहराते हुए अपने आधिकारिक सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, डरो मत..अमेठी में लड़ो मत..। राहुल गांधी अक्सर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बीजेपी के सामने डटकर मुकाबला करने को कहते हैं और इसके लिए कई बार डरो मत का नारा बुलंद करते दिखते हैं।

अमेठी से किशोरी लाल होंगे कांग्रेस उम्मीदवार

अमेठी लोकसभा सीट से गांधी परिवार के वफादार किशोरी लाल शर्मा चुनाव लड़ेंगे। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी शुक्रवार सुबह 10:30 बजे विशेष विमान से फुरसतगंज एयरपोर्ट पहुंचेंगे और दोपहर 12:15 बजे अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इसके बाद वह पुणे के लिए रवाना होंगे। राहुल गांधी के रायबरेली सीट से मैदान में उतरने से अमेठी में एक दिलचस्प मुकाबला टल गया है। इस सीट से केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद स्मृति ईरानी दूसरी बार मैदान में हैं।

राहुल गांधी को जीत की अग्रिम शुभकामनाएं : अजय राय

उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने कहा, कि हम लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग थी और हम चाहते थे कि हम सबके नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ें। पार्टी के कार्यकर्ताओं को और अमेठी-रायबरेली के गांव को वे (राहुल गांधी) जानते हैं। रायबरेली एक परंपरागत सीट है जहां हमेशा विकास का कार्य हुआ है, अमेठी में भी वही हाल है, मैं राहुल गांधी को जीत की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं। इसका जबरदस्त असर आने वाले पांचों चरणों के चुनाव पर पड़ने वाला है।

कांग्रेस ने पुष्टि कर दी है कि उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया : शहजाद

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, राहुल जी, आपने कहा था डरो मत और अब कह रहे हैं अमेठी से लाडो मत, कांग्रेस ने पुष्टि कर दी है कि उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया है और भाग गए हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रायबरेली लोकसभा सीट से उम्मीदवारी पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का कहना है, गांधी परिवार कभी भी उस सीट पर वापस नहीं जाता जहां से वह हारता है। राहुल गांधी अमेठी हार गए और उन्होंने इसे छोड़ दिया। इस बार अगर वह रायबरेली भी हारे तो वह भी छोड़ देंगे। जैसे बहादुर शाह जफर मुगल सल्तनत के आखिरी बादशाह थे, गांधी परिवार के लिए भी वैसा ही है।

रेवन्ना का सेक्स स्कैंडल मास रेप है: राहुल गांधी

कांग्रेस नेता बोले- इस पाप के लिए पीएम मोदी व अमित शाह मांगे माफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रज्वल रेवन्ना पर लगे यौन शोषण के आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। इस मामले को लेकर राहुल गांधी प्रधानमंत्री और बीजेपी से लगातार सवाल पूछ रहे हैं। कांग्रेस नेता ने एक बार फिर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि पीएम मोदी मास रेपिस्ट का साथ दे रहे हैं।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी और अमित शाह से माफी मांगने को कहा। उन्होंने कहा कि जो रेवन्ना ने किया वो सेक्स स्कैंडल नहीं मास रेप है। कर्नाटक में स्टेज से प्रधानमंत्री उस मास रेपिस्ट का समर्थन कर रहे थे, उसके लिए वोट मांग रहे थे। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और बीजेपी के हर नेता को इस पाप के लिए देश की हर महिला से हाथ जोड़ कर, सिर झुका कर माफी मांगनी चाहिए। मास रेपिस्ट को हिंदुस्तान से भागने देंगे, ये है मोदी की गारंटी।

बेटियों के गुनाहगारों पर चुप क्यों हैं पीएम

इससे पहले बुधवार (1, मई) को भी राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल पूछा था। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में महिलाओं के साथ हुए वीभत्स अपराध पर भी नरेंद्र मोदी ने हमेशा की तरह शर्मनाक चुप्पी साध ली है। प्रधानमंत्री को जवाब देना होगा, सब कुछ जान कर भी सिर्फ वोटों के लिए उन्होंने सैकड़ों बेटियों का शोषण करने वाले हैवान का प्रचार क्यों किया? आखिर इतना बड़ा अपराधी बड़ी सहूलियत के साथ देश से फरार कैसे हो गया?। जो रेवन्ना ने किया वो सेक्स स्कैंडल नहीं 'मास रेप' है! कर्नाटक में स्टेज से प्रधानमंत्री उस मास रेपिस्ट का समर्थन कर रहे थे, उसके लिए वोट मांग रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि कैसरगंज से कर्नाटक और उन्नाव से उत्तराखण्ड तक, बेटियों के गुनहगारों को प्रधानमंत्री का मूक समर्थन देश भर में अपराधियों के हौसले बुलंद कर रहा है. क्या मोदी के 'राजनीतिक परिवार' का हिस्सा होना अपराधियों के लिए 'सुरक्षा की गारंटी' है?

रेवन्ना को लेकर लुकआउट नोटिस जारी

सेक्स स्कैंडल मामले के आरोपी कर्नाटक के जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना की गिरफ्तारी को लेकर लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने इस मामले के सामने आने के बाद कहा कि रेवन्ना को जल्द से जल्द मामले की जांच कर रहे एआइटी के सामने पेश होना होगा। अगर वह पेश नहीं हुए तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। बता दें कि इससे पहले एसआईटी ने जांचकर्ताओं के सामने पेश होने के लिए सात दिन का समय देने का उनका अनुरोध ठुकरा दिया था। बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना इन दिनों एक बड़े विवाद के केंद्र में हैं। यह विवाद उस वक्त सामने आया जब उनके खिलाफ एक महिला ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगा दिया। आरोप लगाने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि वह रेवन्नस के घर पर रसोइया के रूप में काम करती थी. इस दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया गया है। इतना ही नहीं पीड़ित महिला की बेटी को वीडियो कॉल कर उसे परेशान भी किया गया है।

भाजपा ने कैसरगंज सीट से करण भूषण को बनाया प्रत्याशी

» पिछले साल कुर्सी सौंपना चाहते थे बृजभूषण शरण सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीजेपी ने कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह के पुत्र करण भूषण सिंह को उनकी सीट से उम्मीदवार बनाया है। बृजभूषण एक साल पहले ही अपनी कुर्सी अपने चहेते व छोटे बेटे करण भूषण को सौंपने का ताना बाना बुन चुके थे। वह करण भूषण को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) अध्यक्ष बनाना चाहते थे।

महासंघ के नियमों के अनुसार एक व्यक्ति सिर्फ तीन बार या अधिकतम 12 वर्ष तक ही महासंघ का अध्यक्ष रह सकता है। बृजभूषण शरण सिंह का अधिकतम 12 वर्ष का कार्यकाल 2023 में पूरा होने के पहले अपने बेटे की ताजपोशी करना चाह रहे थे। जिसके लिए उन्होंने अपने ही कार्यकाल में करनभूषण सिंह को डब्ल्यूएफआई का उपाध्यक्ष बना दिया था। लेकिन ऐन वक्त पर महिला पहलवानों ने आरोप लगाकर उनके मनसूबों पर पानी फेर दिया। यहां तक कि महिला पहलवानों ने बृजभूषण के परिवार के किसी सदस्य का नाम डब्ल्यूएफआई के मतदाता सूची में होने पर भी ऐतराज जताया था। जिसके चलते उनके बेटे करणभूषण सिंह और दामाद विशाल सिंह का नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिया गया था। अब भाजपा के टिकट पर यदि वह बाजी मारने में कामयाब होते हैं तो उन्हें पिता की राजनीतिक विरासत संजोने का अवसर मिलेगा।

बेटियां हार गईं: साक्षी मलिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूर्व कुश्ती निकाय प्रमुख बृजभूषण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह को टिकट देने पर कुछ खिलाड़ियों ने नाराजगी व्यक्त की है। पूर्व भारतीय पहलवान और ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से पूर्व कुश्ती निकाय प्रमुख बृजभूषण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह को उम्मीदवार बनाने के भाजपा के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बता दें कि बृजभूषण सिंह यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी हैं।

साक्षी मलिक ने एक्स पर लिखा, देश की बेटियां हार गईं, बृजभूषण जीत गए। हम सभी ने अपना करियर दांव पर लगाया और कई दिनों तक धूप और बारिश में सड़कों पर सोए. आज तक, बृजभूषण को गिरफ्तार नहीं किया गया है. हम कुछ भी मांग नहीं रहे थे, हम केवल न्याय की मांग कर रहे हैं। छह बार के सांसद बृजभूषण सिंह को पिछले साल बड़े पैमाने पर राजनीतिक तूफान का सामना करना पड़ा था, जब विनेश फोगट के साथ ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक और बजरंग पुनिया सहित कई प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ विरोध करने के लिए दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन किया था और उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। आरोप है कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान महिला खिलाड़ियों से अनुचित व्यवहार किया गया। हालांकि, उन्होंने इस मामले में अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया है, जो अदालत में है।

सीपीआई नेता अतुल अंजान का निधन

» छात्रसंघ अध्यक्ष के रूप में की थी राजनीति की शुरुआत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीपीआई नेता अतुल अंजान का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। वह लखनऊ के मेयो अस्पताल में भर्ती थे। अतुल अंजान 1978 में लखनऊ विश्वविद्यालय से छात्रसंघ अध्यक्ष चुने गए और वहीं से राजनीतिक कॅरिअर की शुरुआत की।

जानकारी के मुताबिक उन्होंने चार बार लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष पद का चुनाव जीता था। उनके अंतिम दर्शन के लए उनके हलवासिया स्थित आवास पर लोगों की भीड़ लगी हुई है। दोपहर भाकपा कार्यालय से उनकी अंतिम यात्रा प्रारंभ होगी और गोमती नदी के किनारे भैसाकुण्ड शमशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

इस बार बीजेपी हारेगी, इंडिया गठबंधन जीतेगा: उद्धव ठाकरे

» बोले-गठबंधन की खातिर हमने वे जीती हुई सीटें भी छोड़ दीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सांगली लोकसभा सीट को लेकर महा विकास आघाडी (एमवीए) में खींचतान के बीच, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी ने गठबंधन की खातिर अपने सहयोगियों के लिए वे सीटें छोड़ दी हैं, जिन पर उसने पांच बार जीत हासिल की थी। ठाकरे ने अपनी पार्टी के उम्मीदवार चंद्रहार पाटिल के लिए सांगली में एक रैली को संबोधित करते हुए मतदाताओं से 'तानाशाही' के खिलाफ लड़ाई में मतों का विभाजन नहीं होने देने का आह्वान किया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि सभी दिन एक जैसे नहीं होते और विश्वास जताया कि 'इंडिया' गठबंधन 300 लोकसभा सीटें जीतेगा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वसंतदादा पाटिल के पोते एवं कांग्रेस नेता विशाल पाटिल निर्दलीय के रूप में मैदान में हैं। भाजपा ने मौजूदा सांसद संजय काका पाटिल को मैदान में उतारा है। हमने रामटेक सीट छोड़ दी, जिस पर हम लगातार पांच बार जीते थे। हमने कोल्हापुर सीट छत्रपति शाहू महाराज के लिए छोड़ दी। हमने अमरावती भी छोड़ दी क्योंकि गठबंधन से न सिर्फ मुझे फायदा होगा, बल्कि हमारे सहयोगियों को भी फायदा होगा। इन तीनों सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ रही है जो एमवीए गठबंधन में शामिल है। एमवीए में शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के अलावा शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) भी शामिल है।

राजकिशोर सिंह भाजपा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बस्ती के बाहुबली छवि वाले पूर्व मंत्री राजकिशोर सिंह अपने भाई बृज किशोर सिंह डिंपल और समर्थकों के साथ बृहस्पतिवार को भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले राजकिशोर और उनके भाई बस्ती से मौजूदा सांसद व लोकसभा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के साथ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की। इसके बाद भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में भगवा पट्टा पहनकर पार्टी की सदस्यता ली। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक और प्रदेश भूपेंद्र चौधरी ने राजकिशोर समेत सभी नए लोगों को सदस्यता दिलाई।

सपा ने भगत राम मिश्रा को बनाया उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने कैसरगंज लोकसभा सीट से भगत राम मिश्रा को टिकट दिया है। वह पूर्व सांसद दद्दन मिश्रा के भाई हैं और पेशे से अधिवक्ता हैं। सपा के सूत्रों ने टिकट दिए जाने की पुष्टि की है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी तक नहीं की गई है। भगत राम मिश्रा कल नामांकन करेंगे। भगत राम मिश्रा पहले कांग्रेस में थे, उसके बाद भाजपा में आए और अब सपा से चुनाव लड़ेंगे। इसके पहले इस चर्चित सीट पर भाजपा ने बृहस्पतिवार को वर्तमान सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण सिंह भूषण को उम्मीदवार घोषित किया।

झूठे प्रचार का अड्डा बन रहे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय!

गलगोटिया यूनिवर्सिटी के छात्रों ने राहुल के विरोध में किया प्रदर्शन

- छात्रों ने कहा विवि प्रशासन ने पोस्टर देकर भेजा
- मीडिया कैमरों को देखकर भागे सारे छात्र
- तख्तियों पर लिखे स्लोगन का मतलब भी नहीं जानते थे कई छात्र
- दस साल में गिरा पढ़ाई का स्तर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के मानसिक स्तर को जानकर सभी हैरान हो गए हैं। दरअसल मामला गलगोटिया यूनिवर्सिटी का है। एक जाने-माने टीवी चैनल ने खुलासा किया है कुछ दिन पहले कुछ छात्र कांग्रेस कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने गए थे। उनके हाथों में कांग्रेस के विरोध में जो तख्तियां लगीं थी उनके बारे में जब वहां आए प्रदर्शनकारियों से पूछा गया तो वह उस पर कुछ भी कहने में असहज हो गए। चैनल के पत्रकार द्वारा जब ज्यादा छानबीन की गई तो पता चला कि ये सारे प्रदर्शकारी गलगोटिया विश्वविद्यालय के बड़े-बड़े कोर्सों के छात्र हैं। साथ ही कुछ छात्रों ने ये भी जानकारी दी कि उन्हें संस्थान द्वारा ही वहा पोस्टर व बैनर लेकर भेजा गया था।

जब बात खुलती चली गई तो यह भी पता चला ये लोग प्रधानमंत्री मोदी व भाजपा के पक्ष में भी माहौल बना रहे थे। सबसे बड़ी बात उन छात्रों में काफी हायर एजूकेशन वाले छात्र हैं जो कर तो रहे हैं इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट पढ़ाई पर वह अंग्रेजी के स्लोगन का अर्थ भी नहीं बता पा रहे थे। इन सब खुलासे के बाद जहां गलगोटिया यूनिवर्सिटी आमजन से लेकर खास लोगों के तीखी आलोचनाओं का शिकार हो रहा है। इसी क्रम में एक आम छात्र मो. अनस ने कहा कि अगर आप अपने बच्चे या बच्ची का एडमिशन गलगोटिया यूनिवर्सिटी में कराने जा रहे हैं तो रूक जाइए। बेहतर है उसे घर बैठे रहने दें। यहां की फीस औसतन दो लाख प्रति वर्ष है। रहने और खाने का खर्च अलग से। इन स्टूडेंट्स को कल राहुल गाँधी के विरोध के लिए भेजा गया था। गोदी मीडिया ने बताया कि अलग अलग कॉलेज के बच्चे हैं, जबकि सच ये है कि गलगोटिया, नोएडा के बच्चे थे। इन्हें एक बस में भर कर लाया गया था। भला हो आज तक के पत्रकार आशुतोष मिश्रा का जिन्होंने गलगोटिया के प्रायोजित प्रोटेस्ट की कलई खोल दी।

ये छात्र नहीं भेड़ें हैं, राजनीतिक इशारे पर चलती हैं

सौमित्र रॉय ने कहा बात कड़वी, लेकिन सच है। सिर्फ गलगोटिया ही क्यों, भारत की तकरीबन हर यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स का देश की राजनीति और मुद्दों को लेकर यही स्टेटस है। आपकी जेब से लाखों रुपए की फीस काटकर अपना 70प्रतिशत वक्त मौज, मस्ती पर लुटाने वाले इन युवाओं के सपने सिर्फ खुद तक आकर सिमट गए हैं। इनके सपनों को आप उनके मोबाइल और वॉट्सएप में झांककर देख सकते हैं। ये भेड़ें राजनीतिक इशारे पर वोट देती है। जो बेईमान, निरंकुश, तानाशाह सत्ता इनके सामने खड़ी है, वे इसी व्यवस्था में इसलिए खुश हैं, क्योंकि देश का यही सिस्टम उन्हें आवारागर्दी और कानून तोड़ने की आजादी देता है। राहुल गांधी या मुद्दों पर बात करने वाला कोई और इनका आदर्श नहीं हो सकता। क्योंकि इनके आदर्श लोफर, लफंगे, झूठे, मक्कार गुंडे मवाली हैं, जिन्होंने ठगी, लूट, भ्रष्टाचार से दौलत कमाई है। इनकी अपनी कोई राजनीतिक विचारधारा नहीं है, क्योंकि इनसे पुरानी पीढ़ी ने खुद को मुद्दों से डिस्कनेक्ट किया हुआ है। यह देश में सिविल वॉर की फसल है, जिसमें ऊर्जा और ताकत है। इनके पीछे एक सड़ा हुआ, बदबूदार समाज खड़ा है, जो खुद सौदेबाजी कर विकास की दो पायदान चढ़ा है। यानी, भेड़ बन चुके इन नौजवानों के पीछे उम्रदराज भेड़ों की लंबी कतार है, जिनके पास डिग्रीनुमा कागज़ी पुर्ज हैं। ये भटक चुकी पीढ़ी किसे वोट डालेगी? बीजेपी को।

इन छात्रों को मप्र में नहीं दिखी थी शिक्षा में धंधेबाजी

मध्यप्रदेश में चोरी, चकारी, दलाली, गुंडागर्दी, रेप, मर्डर सब झेल लिए जाते हैं, क्योंकि शिवराज सिंह चौहान ने 17 साल में शिक्षा को धंधेबाजों के हाथों बेच दिया। वेल्थ डिस्ट्रीब्यूशन और विरासत कर जैसी तख्तियां लिए ये युवा कांग्रेस का घोषणा पत्र नहीं पढ़ते। क्योंकि, विस्तार से गहराई में पढ़ना इनके बाप, दादा भी छोड़ चुके हैं। जो कुछ तेंडलवीर चेहरे अपने बाप, मां के साथ सामने आते हैं, वे लाखों की नौकरी पाकर उसी असमान विकास में समायोजित हो जाते हैं, जिसकी बात ये छात्र कर रहे हैं। इसीलिए मैं 100प्रतिशत मार्क्स या मेरिट को भी एंडोर्स नहीं करता। मेरे लिए अच्छा इंसान होने से ज्यादा दूसरा कोई मेरिट नहीं। ये सिस्टम के साथ चलकर रोबोट की तरह 18 घंटे काम तो कर सकते हैं, लेकिन देश के लिए अच्छे नागरिक, बेहतर इंसान नहीं बन सकते। मनीष दुबे ने कहा कि इनसे आप भगत सिंह, अशफाक या आजाद बनने की उम्मीद न करें। आज के मां, बाप इन बंजर फसलों को देखें, जो उनकी ही उपज है। फिर खुद को भी आईने में देखें। पता चलेगा कि वे खुद बंजर हो चुके हैं। फिर मेरी महंगी थाली वाली आज की पोस्ट पढ़ें। वेल्थ डिस्ट्रीब्यूशन समझ आ जायेगा। अंत में प्रभु राम का नाम लें। मंगल सूत्र को पकड़ें और सो जाएं। क्या पता, कल हो न हो।

वीडियो वायरल, भागते नजर आए छात्र

ग्रेटर नोएडा के परी चौक स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी का एक वीडियो वायरल है। वीडियो में आज तक के पत्रकार भाजपा के समर्थन में कांग्रेस के खिलाफ प्रोटेस्ट कर रहे कुछ छात्रों से बातचीत कर रहे हैं। स्टूडेंट्स से प्रोटेस्ट का कारण पूछा जा रहा है। यह वीडियो जितना कमाल का है उतनी ही कमाल छात्रों की बातचीत और जवाब हैं। मतलब जवाब ही नहीं है कि आखिर वे यह प्रोटेस्ट कर क्यों रहे हैं। 6 मिनट से ज्यादा अंतराल के इस वीडियो में पत्रकार का माइक और कैमरा देख कई छात्र भागते दिख रहे हैं, इसी भागमभाग से पता चलता है कि हमारी नई पीढ़ी एक अंधी खाई में ढकेली जा रही है।

गलगोटिया ने छात्रों को बना दिया मजाक

नेता तो चाहते हैं देश की पूरी जमात अनपढ़ रहे और उसे आँख मूंदकर वोट करती जाए। लेकिन उससे बड़ा सवाल गलगोटिया जैसी महंगी यूनिवर्सिटी पर उठता है। आकिर ऐसी क्या मजबूरी है जो पैरेंट्स से लाखों रुपये चूसने वाली यूनिवर्सिटी को अपने छात्रों को इस तरह के फर्जी, गलत मंसूबे वाले प्रोटेस्ट की इजाजत देनी पड़ी। फ़ायक अतीक किदवई ने कहा कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी के लिए बहुत बड़ी बदनामी है, पहले तो पॉलिटिक्स के चक्कर में दुनिया भर में राइट विंगर कहलायेंगे, दूसरा इन मूर्ख बच्चों की वजह से गलगोटिया का हर पढ़ा लिखा लड़का मजाक का पात्र बनता रहेगा। ऐसे समझिए फुकरे३ मूवी में जब 'भोली पंजाबन' लाली से कहती है तू बिल्ले हलवाई का लड़का है, तो लाली कहता है आप जानती हो डैडी जी को,उसके बाद जो जब की सर्केस्टिक हँसी से भोली पंजाबन कहती है हाँ अच्छे से..वहाँ खड़े सभी लोग ऐसे हँसते की पूछे मत। बस लाली की तरह जैसे ही बताओगे गलगोटिया के हैं आप जानते हैं मेरी यूनिवर्सिटी को, ऐसा ही माहौल बनेगा। यकीन करो चम्पको तुम लोगो ने एक जाहिल के चक्कर में सबका मजाक बना डाला है जिसकी भरपाई दशकों नहीं होगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

ईडी के कामकाज पर कोर्ट को आपत्ति!

दरअसल कॉक्स एंड किंग्स समूह के सीएफओ अनिल खंडेलवाल से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि सजा के अधिकतम अवधि का आधा हिस्सा पूरा करने के बाद पीएमएलए के विचाराधीन कैदियों को जमानत मिली। यदि एजेंसी ऐसी रणनीति अपनाती है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है और अदालत को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए।

आज कल ईडी, सीबीआई, आईटी विभाग के कामकाज पर राजनीतिक दलों के द्वारा तो लगातार हल्ला बोला जा रहा है। अब ईडी के काम पर अदालत ने भी सवालिया निशान लगाया है। दरअसल कॉक्स एंड किंग्स समूह के सीएफओ अनिल खंडेलवाल से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि सजा के अधिकतम अवधि का आधा हिस्सा पूरा करने के बाद पीएमएलए के विचाराधीन कैदियों को जमानत मिली। यदि एजेंसी ऐसी रणनीति अपनाती है, तो यह गंभीर चिंता का विषय है और अदालत को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। कॉक्स एंड किंग्स समूह के सीएफओ अनिल खंडेलवाल और आंतरिक लेखा परीक्षक नरेश जैन को यस बैंक से संबंधित लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था। जमानत देते हुए कोर्ट की ओर से ईडी के ऊपर तल्ख टिप्पणी की गई। कोर्ट की ओर से कहा गया कि यह बहुत गंभीर है कि दोनों को 3 साल और 6 महीने तक विचाराधीन कैदी के रूप में रखा गया, जो कि अधिकतम सजा के न्यूनतम और आधे से भी अधिक है।

कोर्ट ने कहा कि एजेंसी की कार्यप्रणाली और जिस तरीके से उनकी ओर से जमानत याचिकाओं का विरोध किया गया उससे गंभीर चिंता पैदा हुई। विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने कहा जो कुछ चल रहा है वह बहुत गंभीर है। कोर्ट की ओर से कहा गया कि आवेदकों के मूल्यवान मौलिक अधिकार की पूरी तरह से अवहेलना है जब वे दिए गए अपराध के लिए अधिकतम सजा के आधे से अधिक समय तक जेल में हैं। उन्हें यथासंभव शीघ्रता से मुकदमा चलाने का अधिकार है। जज ने कहा कि बिना मुकदमे के लंबे समय तक जेल में रहने को देखते हुए, उन्हें जमानत पर रिहाई के लिए उनकी प्रार्थना पर विचार करने की कम राहत देने से इनकार करने का कोई औचित्य नहीं है। नागरिकों (आरोपियों) के संवैधानिक अधिकारों को बनाए रखने में ईडी की ओर से विफलता स्पष्ट है। आरोपियों को अक्टूबर 2020 में गिरफ्तार किया गया था। 29 पन्नों के आदेश की प्रति में, न्यायाधीश ने कहा कि लंबे समय तक अनुचित कारावास, अधिकतम सजा के आधे से अधिक और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार मुकदमे की शुरुआत और समापन की प्रस्तावित अवधि का अनुमान लगाने में अनिश्चितता को देखते हुए, आरोपी को जमानत का दावा करने का पूर्ण अधिकार है। पीएमएलए अधिनियम की धारा 44(1)(सी) अनुसूचित अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में विशेष पीएमएलए अदालत द्वारा एक साथ सुनवाई करने का आह्वान करती है। विधेय या अनुसूचित अपराध वह है जिसके आधार पर ईडी अपना लॉन्ड्रिंग मामला दर्ज करती है। ये टिप्पणी मोदी सरकार काम को भी आईना दिखाती है। सरकार को जांच एजेंसियों को दुरुपयोग करने से रुकना चाहिए। इन एजेंसियों को अपनी जागी नहीं समझनी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मसालों की गुणवत्ता व व्यापारिक कूटनीति के प्रश्न

प्रेम प्रकाश

समय और संदर्भ मिलकर साझे तौर पर हमारे देशकाल को रचते हैं। इस लिहाज से देखें तो हमारा देशकाल बीसवीं सदी के आखिरी दशक से लेकर अब तक कई ठोस निर्मितियों को लेकर आया है। हम इस पूरे दौर को देखेंगे तो कई बातें जहां साफ होती हैं, वहीं इससे हम अपने समकाल को भी ज्यादा बेहतर समझ पाते हैं। गौरतलब है कि दुनियाभर में बाजार के दरवाजे एक साथ खुलने से जो स्थिति पैदा हुई है, उसमें भारत जैसे बड़ी आबादी और उत्पादक संभावनाओं वाले देश ने बीते दो-तीन दशक में बड़ी छलांग लगाई है। अब इससे आगे की स्थिति पगबाधा दौड़ जैसी है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि उसे खासतौर पर व्यापारिक मोर्चे पर न सिर्फ कठिन अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ रहा है, बल्कि विभिन्न स्तरों पर सक्रिय अंतर्राष्ट्रीय लॉबी भी उसके खिलाफ है। बड़ी बात यह कि खासतौर पर कोविड बाद के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ी मजबूती ने भारत के खिलाफ अघोषित रूप से अंतर्राष्ट्रीय सांठगांठ को जन्म दिया है। लिहाजा इसे व्यापारिक कूटनीति के रूप में देखना ज्यादा सही होगा। किसी एक देश के खिलाफ इस तरह कूटनीतिक मोर्चा खुलना बिल्कुल नई बात है।

इसी पूरे मामले में नई खबर यह है कि भारत में बने कफ सिरप पर रोक से शुरू हुआ मामला अब भारत से निर्यात हुए मसालों तक आ पहुंचा है। सिंगापुर और हांगकांग द्वारा भारत के कुछ बड़े ब्रांड के मसालों को बैन करने के बाद अमेरिकी फूड और ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) भी इस मामले में सक्रिय हो गया है। हैरत नहीं कि बैन का फैसला अमेरिका की तरफ से भी देर-सवेर आ जाए। फिलहाल की स्थिति में एफडीए ने कहा है वह भारतीय कंपनियों को लेकर जारी रिपोर्ट्स को लेकर गंभीर है और वह इस बाबत ज्यादा जानकारी जुटाने में लगा है। वैसे एफडीआई की जांच या किसी निर्णायक जांच या निर्देश से पहले ही अमेरिका में भारतीय मसालों को लेकर सख्ती बढ़ गई है।

आलम यह है कि बीते छह महीने में अमेरिका ने भारत की सबसे बड़ी मसाला कंपनी के 31 फीसद मसालों के शिपमेंट को लेने से मना कर दिया है। अमेरिका से भारतीय मसालों के शिपमेंट को लौटाने के पीछे फिलहाल कारण यह बताया जा रहा है कि यह फैसला साल्मोनेला संक्रमण के खतरों को लेकर लिया गया है। अलबत्ता

भारतीय मसालों को लेकर अस्वीकार की स्थिति अमेरिका में नई नहीं है। बल्कि देखा जाए तो यह सिंगापुर और हांगकांग के बैन के पहले से चला आ रहा मामला है। अमेरिकी सीमा शुल्क अधिकारियों ने पिछले साल भी भारत से आने वाले 15 फीसद मसालों को लौटाया था। वैसे भारत और अमेरिका से आगे बढ़कर यह मामला अब मालदीव तक पहुंच गया है। मालदीव ने भारतीय मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी है। मालदीव की फूड एंड ड्रग अथॉरिटी का कहना है कि भारत के दो मशहूर ब्रांड के मसालों में एथिलीन ऑक्साइड मिला है जिसके कारण इनकी बिक्री पर रोक लगाई गई है।

इससे पहले सिंगापुर और हांगकांग ने इन भारतीय ब्रांडों के कुछ उत्पादों में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने के कारण उन्हें प्रतिबंधित किया था। बताया गया कि इनमें पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है। बात अंतर्राष्ट्रीय मानक और चेतावनियों की करें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) एथिलीन ऑक्साइड को ग्रुप वन के कार्सिनोजेन के रूप में देखती और वर्गीकृत करती है। लिहाजा इस निष्कर्ष से इनकार मुश्किल है यह लोगों में कैंसर का कारण बन सकता है। अंतर्राष्ट्रीय जगत से आई इन खबरों के बाद भारत का सक्रिय होना स्वाभाविक है। यह उसके लिए व्यापार में नुकसान से ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय साख का सवाल है। लिहाजा दो देशों के बैन के घोषित फैसले के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा नियामक भी इन दोनों कंपनियों के मसालों की जांच कर रहा है। हालिया चर्चा में आए मसालों के दोनों ही ब्रांड देश में भी खासे लोकप्रिय हैं। बात इनकी अंतर्राष्ट्रीय साख और व्यापारिक नेटवर्क की करें तो ये मसाले यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका में खूब प्रचलन में हैं।

फूडिंग, कुकिंग और रेसिपी को लेकर प्रभावशाली तरीके से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लिखने-बोलने वालों ने यह बात बीते वर्षों में बार-बार कही है कि भारतीय मसालों ने दुनियाभर के लोगों का स्वाद बदल दिया है। यह बदलाव इतना बड़ा है कि अलग-अलग प्रकार और स्वाद वाले इंडियन करीज और इंटरनेशनल रेसिपीज का हिस्सा हैं। मौजूदा घटनाक्रम का भारत के लिए व्यापारिक महत्व कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 2022-23 में भारत ने करीब 32 हजार करोड़ रुपये के मसालों का निर्यात किया।

किसानों पर शिकंजे जैसा है 'फ्री ट्रेड' फार्मूला

देविंदर शर्मा

मुक्त व्यापार कभी भी निष्पक्ष नहीं रहा। पहले की 'फेयर एंड लवली' क्रीम, जिसे अब 'ग्लो एंड लवली' नाम दिया गया है, की तरह फ्री ट्रेड दुनियाभर के बड़े कारोबारों को आसानी से आकर्षित कर सकता है ताकि ग्लोबल साउथ के देशों यानी गरीब व विकासशील देशों को इसकी विशाल आर्थिक क्षमता पर विश्वास हो सके। विवादास्पद 'फेयर एंड लवली' क्रीम ने भी त्वचा को कथित गोरा करने वाले कॉस्मेटिक उत्पाद के साथ ऐसा ही किया। 'गोरे' को सुंदर और 'सांवले' को बदसूरत समझना सांवली त्वचा वाले लोगों का उपहास करने जैसा था और अंतत: कंपनी को जनता के दबाव के आगे झुकना पड़ा। मुक्त व्यापार को लेकर दबाव का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। इस साल की शुरुआत में यूरोप में विशाल किसान आंदोलन हुए। 27 यूरोपीय देशों में से 24 किसी न किसी स्तर पर विरोधों का सामना कर रहे हैं। इन आंदोलनों में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए) को 'उखाड़ फेंकने' का आह्वान कर रहे थे जिसकी वजह से यूरोप में भोजन व फल-सब्जियां सस्ते हो गये व घरेलू किसानों की आजीविका सुरक्षित करना मुश्किल हो रहा था।

फ्रांस अकेले अपनी फल और सब्जी की जरूरत का 71 फीसदी आयात करता है। भारत में, किसान आंदोलन 2.0 मुख्य रूप से कृषि उपज के लिए कानूनन बाध्यकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग कर रहा है, और इसकी अन्य मांगों में भारत को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से हटने के लिए कहना भी शामिल है। इस लेख में अमेरिका द्वारा हाल ही में अपनाए गये उस कड़े कदम का विश्लेषण करने का प्रयास किया जायेगा जो विकासशील देशों में बाजार की पकड़ और ज्यादा मजबूत करने को लेकर है। अमेरिका की तो हमेशा से विकासशील देशों के बाजार में पहुंच बनाने की तीव्र इच्छा रही है। जिसमें ध्यान का केंद्र स्वाभाविक तौर पर भारत का विशाल बाजार रहा है।

अमेरिकी वित्त समिति की हालिया सुनवाई में, सीनेटरों के सवालों का जवाब देते हुए, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) कैथरीन टाई ने कहा- 'हम कड़ी मेहनत करने वाले अमेरिकी परिवारों और समुदायों, विशेष रूप से हमारे ग्रामीण समुदायों के लिए बाजार खोल रहे हैं। बातचीत के माध्यम से, हमारे प्रशासन ने पिछले तीन वर्षों में नए कृषि बाजारों तक 21 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की पहुंच सुनिश्चित की है,' और आगे कहा, 'इसमें वृद्धिमान बाजार, भारत के साथ 12 टैरिफ श्रेणियां शामिल हैं जो अमेरिकी निर्यातकों के लिए तरक्की का मौका हैं।' हालांकि मेहनतकश अमेरिकी परिवारों और ग्रामीण समुदायों की सुरक्षा को लेकर अमेरिका की रुचि समझी जा सकती है लेकिन भूमंडलीकरण के तहत हर देश को उन दसियों हजारों किसानों की आजीविका की भी रक्षा करनी चाहिए जो दुनिया के किसी और हिस्से में सस्ते आयातों के चलते तबाह हो जाते हैं। यह न भूलें कि भोजन का आयात करना बेरोजगारी का आयात करने के समान है।

मुझे याद है कि मैंने जर्मन किसानों से भी कमोबेश इसी तरह का प्रश्न पूछा था, जो दक्षिणी जर्मनी के लैंड्सफुहल में एक फार्म हाउस में डिनर के दौरान जीएटीटी निर्यातकों के एक छोटे समूह से मिलने आए थे (मेरी पुस्तक : गैट टू डब्ल्यूटीओ, निराशा के बीज 1995. कोणार्क पब्लिशर्स, नई दिल्ली)। यह 1990 के दशक के मध्य में किसी समय का वाकया है। 'मानता हूं कि आप सरप्लस खाद्यान्न का उत्पादन करते हैं जिसके लिए आप दक्षिण में एक स्थाई बाजार की तलाश कर रहे हैं। लेकिन शायद आपको इस बात का अहसास नहीं है कि आप यहां जो सरप्लस अनाज पैदा करेंगे, वह भारत जैसे देशों में लाखों छोटे और सीमांत किसानों को उनके खेतों से दूर कर देगा। उन व्यापार वार्ताकारों के उलट, जो नष्ट हो रही कृषि आजीविका के बारे में दूर-दूर तक चिंतित हुए बिना, आजकल व्यापार वार्ता की अगुवाई करते हैं, मुझे वहां किसानों से जो उत्तर मिला, वह अत्यधिक समर्थन प्रदान करने वाला था। भारतीय किसानों के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि उनका अधिशेष खाद्यान्न भारत में आजीविका को नष्ट कर देगा।

जर्मनवासी किसान भारतीय किसानों की पीड़ा को समझ सकते थे और इसलिए चाहते थे कि सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। मैंने सोचा कि अमेरिका को भी उस असर का आकलन करना चाहिये जो बादाम, अखरोट और सेब समेत अन्य चीजों पर प्रतिरोधात्मक आयात शुल्क वापस लेने के बाद भारत पर पड़ेगा। चलो यहां सेब की बात करते हैं। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, 20 फीसदी आयात शुल्क वृद्धि वापस लेने के बाद जब पहली खेप भारत के लिए रवाना हुई तो सिएटल बंदरगाह पर उत्सव मनाया गया। जाहिर है, भारत वाशिंगटन के सेब के लिए 120 मिलियन डॉलर का बाजार प्रदान करता है, जिससे अमेरिका में 68,000 सेब उत्पादक किसानों को लाभ होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नवंबर 2023 में आयात शुल्क आंशिक रूप से वापस लेने के एक महीने के भीतर 19.5 मिलियन डॉलर मूल्य के वाशिंगटन सेब भारत भेजे गए। जैसा कि उम्मीद थी, यूएस कांग्रेस की सुनवाई में एक सीनेटर को यह कहते हुए उद्धृत किया गया था कि भारतीय गेहूं सब्सिडी कीमतों को बिगाड़ रही है और इससे अमेरिकी किसानों को नुकसान हो रहा है। एक अन्य सीनेटर ने चावल सब्सिडी के बारे में बात की।

भेलपूरी

बच्चों से लेकर बड़ों तक को भेलपूरी काफी पसंद आती है। आप चाहें तो ईद की दावत में मेहमानों को भेलपूरी परोस सकती हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े कटोरे में 2 कप मुरमुरा लें। अब इसमें प्याज, आलू, टूटी हुई पपड़ी, टेबलस्पून मिक्सचर और टेबलस्पून भुनी हुई मूंगफली डालें। टेबलस्पून टमाटर, टीस्पून चाट मसाला, मिर्च पाउडर और नमक भी डालें। अब इन सभी को अच्छे से मिलाएं। अब इसमें 2 टेबलस्पून सेव डालें और अच्छे से मिलाएं।

पापड़ चाट

बाजार में मिलने वाले पापड़ों से आप पापड़ चाट तैयार कर सकते हैं। इसमें अंदर आप अगर कॉर्न भरेंगे, तो ये खाने में और स्वादिष्ट लगेगा।

पापड़ी चाट

हर किसी को पापड़ी चाट खाना पसंद होता है। आपको बाजार में रेडीमेड पापड़ी मिल जाएगी। जिसे खरीद आप घर पर ही पापड़ी चाट बना सकती हैं। ये खाने में लोगों को काफी पसंद आती है। इसके लिए प्लेट में पापड़ी रखिये। फिर उस पर उबले हुए आलू मसाला रखिये। फिर इनपर दही डालिये, जितना भी आप पसंद करते हैं। इसके बाद थोड़ी हरी चटनी, थोड़ा काला नमक, थोड़ा भुना जीरा, थोड़ी लाल मिर्च, थोड़ी मीठी चटनी और थोड़े सेव डालिये। इसे परोसिये और इसके स्वाद का आनंद लीजिये।

मेहमानों को परोसें ये चाट खाकर उंगलियां चाटते रह जाएंगे आप

गर्मियां शुरू हो गयी हैं और अब बच्चों के स्कूल भी बंद होने वाले हैं ऐसे में बच्चे अपने से घर रिश्तेदारों के यहां घूमने जाते हैं और इससे लोगों को एक दूसरे से मिलने का मौका मिलता है। और लोग एक दूसरे का बड़े गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। और अपनी खुशी का इजार करते हैं। कई रिश्तेदार अपने लोगों का स्वागत करने के लिए कई प्रकार के पकवान बनाते हैं लेकिन कभी कभी दिमाग में होता है कि रिश्तेदारों के लिए क्या खास बनाएं जो उन्हें पसंद आये। अगर आप चाहें तो अपने मेहमानों के लिए कुछ खास पकवान तैयार कर सकती हैं। अपने मेहमानों को कुछ खास तरह की चाट परोस सकती हैं। चाट एक ऐसा पकवान होता है, जिसे बच्चे से लेकर बड़े लोग तक काफी मन से खाते हैं। ऐसे में आप ईद के दिन अपने मेहमानों को विभिन्न प्रकार की चाट परोस सकती हैं।

दही भल्ला

खाने में दही वड़ा काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे कई जगह दही भल्ला भी कहते हैं। इसे बनाना थोड़ा कठिन होता है, लेकिन इसे हर कोई बड़े चाव से खाता है।

गोलगप्पे

आप अपने मेहमानों को तीखे या मीठे पानी के गोलगप्पे खिला सकती हैं। इसमें भरने के लिए मसालेदार मटर का इस्तेमाल करें, ताकि इसका स्वाद बढ़ जाएगा। गोलगप्पे का पानी घर में ही बनाना चाहिए। लाल चटनी की बजाए दही का इस्तेमाल कर सकते हैं। गोलगप्पे में आलू की बजाय आप उबले हुए चने का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। सूजी के बजाय आटे के गोलगप्पे खाने चाहिए। गोलगप्पे के पानी में पुदीना, जीरा और हिंग मिलाया जाता है, जो एंटीऑक्सिडेंट से भरे होते हैं।

हंसना मना है

पप्पू परेशान था... गप्पू ने पूछा- क्या हुआ? पप्पू - यार लेटर से धमकी मिली है कि मेरी बीवी से इश्क बंद कर दो, नहीं तो जान से मार दूंगा! गप्पू - ठीक तो है, बंद कर दो! पप्पू - लेटर गुमनाम है, समझ नहीं पा रहा हूं किसकी बीवी से इश्क बंद करना है...!!!

लड़की ने घबराकर मायके फोन किया... लड़की - मां, मेरी रात में उनसे लड़ाई हो गई! मां - कोई बात नहीं बेटी, पति-पत्नी के बीच लड़ाई होती रहती है..! लड़की - अरे वो सब तो ठीक है, लेकिन अब ये बताओ कि लाश का क्या करना है...!!! यह सुनकर मां हो गई बेहोश...

पत्नी - खिड़की पर परदे लगवा दो, नया पड़ोसी मुझे देखने की कोशिश करता है! पति - एक बार उसे ठीक से देख लेने दो, वो खुद ही परदे लगवा लेगा...!!! फिर हुई पतिदेव की धुनाई...

पत्नी- अगर मैं खो गई तो तुम क्या करोगे... पति- अखबार में इश्तेहार दूंगा..! पत्नी - तुम कितने अच्छे हो, क्या लिखोगे... पति- जिसको मिले उसकी...!!

चिंटू - यार तूने इतने छोटे-छोटे बाल क्यों कटवाए... पप्पू - नाई के पास तीन रुपये खुल्ले नहीं थे, तो मैं बोला- तीन रुपये की और काट दे...!!!

कहानी | भेड़िया और बकरी के सात बच्चे

एक जंगल में डंपी नाम की बूढ़ी बकरी रहती थी, जिसके सात बच्चे थे। बकरी रोजाना बाहर से बच्चों के लिए खाना लेकर आती थी। जंगल में एक भेड़िया भी रहता था, जिसकी नजर बकरी के बच्चों पर थी। इसलिए बकरी बच्चों को जंगली जानवरों से बचाने के तरीके बताती रहती थी। एक दिन बकरी को खाना लेने के लिए दूर जाना था। इसलिए उसके वापस आने तक घर का दरवाजा मत खोलना। बकरी के जाने के कुछ देर बाद ही भेड़िया वहां पहुंचा और दरवाजा खटखटाने लगा। बच्चों ने एक साथ पूछा कि कौन है। भेड़िया ने कहा कि बच्चों मैं तुम्हारी मां हूं। जवाब में बच्चों ने कहा कि हमारी मां की आवाज इतनी भारी नहीं है, तुम भेड़िया हो और हमें खाने आए हो। भेड़िया का पता था कि शहद चखने से आवाज अच्छी हो जाती है। वह शहद खाकर दोबारा बकरी के घर पहुंचा। इस बार मधुर आवाज सुनकर बच्चों ने सोचा कि शायद उनकी मां आ गई है। तभी उन्होंने भेड़िये के काले पैर देख लिए। सभी बच्चों ने चिल्लाते हुए कहा कि तुम हमारी मां नहीं हो सकती। हमारी मां के पैर गोरे हैं, लेकिन तुम्हारे काले। तुम भेड़िया हो। रास्ते में एक आटा चक्की दिखी और उसने आटे को अपने पैरों पर लगा लिया। फिर भेड़िया ने आवाज बदलकर दरवाजा खोलने के लिए कहा। इस बार आवाज भी मां के जैसी थी और पैर भी सफेद थे। तभी बकरी का सबसे छोटा बच्चा बोला, यह मां नहीं है, लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी और दरवाजा खोल दिया। दरवाजा खोलते ही उन्होंने देखा कि दरवाजे पर मां नहीं, बल्कि भेड़िया है। भेड़िया ने छह बच्चों को पकड़कर थैले में भर लिया। भेड़िया अपनी गुफा की ओर जाने लगा। कुछ देर बाद बूढ़ी बकरी डंपी अपने घर पहुंची घर में छुपा हुआ एक बच्चा निकला और पूरी बात बता दी। बकरी को गुस्सा आया और वो भेड़िया को सबक सिखाने के लिए उसकी गुफा की ओर चल पड़ी। उधर, बच्चों को उठाकर ले जा रहा भेड़िया चलते-चलते थक कर रास्ते में एक पेड़ के नीचे आराम करने के लिए बैठ गया। उसे नींद आ गई। तभी बकरी भी वहां पहुंच गई। उसने चुपके से अपने बच्चों से भरा थैला खोलकर सभी को बाहर निकाल लिया। फिर डंपी ने फटाफट बच्चों की मदद से थैले में पत्थर भर दिए और सभी पास की झाड़ियों में छुप गए। कुछ देर बाद भेड़िया उठा और थैला लेकर गुफा की ओर चलने लगा। उसे इस बार थैला थोड़ा भारी लगा, लेकिन उसने इस बात पर ध्यान नहीं दिया। चलते-चलते रास्ते में एक नदी मिली, जिसे पार करके उसे अपनी गुफा में पहुंचना था। जैसे ही वह नदी में पत्थरों से भरा थैला लेकर गया, तो वह नदी में डूबने लगा। यह देखकर बकरी और उसके बच्चे खुशी-खुशी अपने घर चले गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी।

वृषभ स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

भंसाली की 'हीरामंडी' देख मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

अपनी सिनेमाई उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली एक महाकाव्य ड्रामा सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार लेकर आए हैं। वेब सीरीज का प्रीमियर, 1 मई को नेटफ्लिक्स पर हुआ। इस वेब सीरीज के साथ मनीषा कोइराला और भंसाली ने 30 साल बाद वापस से सहयोग किया है। इससे पहले दोनों ने 1942: ए लव स्टोरी में साथ काम किया था। हीरामंडी की बात करें तो यह सीरीज स्वतंत्रता, प्रेम, वेश्यालय और ईर्ष्या के विषयों की खोज करते हुए कच्ची भावनाओं को उजागर करती है। सीरीज के प्रीमियर के बाद से ही इसका इंतजार कर रहे दर्शक इसका लुत्फ उठा रहे हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आइए इस सीरीज को लेकर दर्शकों की राय जान लेते हैं-

वेब सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार, गंगूबाई काठियावाड़ी, मंडी, कलंक और देवदास जैसी फिल्मों की झलक पेश करती है। सीरीज में मनीषा कोइराला (मल्लिका जान के रूप में), सोनाक्षी सिन्हा (फरदीन/रेहाना), ऋचा चड्ढा (लज्जो), संजीदा शेख (वहीदा), अदिति राव हैदरी (बिब्बो) और शर्मिन सहगल मेहता (आलमजेब) मुख्य भूमिका में हैं। सीरीज में फरदीन खान ने वली मोहम्मद के रूप में वापसी की है, जो जेसन शाह (कार्टराइट) और ताहा शाह (ताजदार) के प्रदर्शन से पूरक हैं।

एक सोशल मीडिया यूजर ने हीरामंडी: द डायमंड बाजार देखने के बाद एक्स पर लिखा, संजय लीला भंसाली की हीरामंडी कैमरा मूवमेंट और मिस-एन-सीन पर एक मास्टरक्लास है। एक दूसरे यूजर ने लिखा, हीरामंडी एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली गाथा है जो इतिहास के गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि देती है। अपने विशिष्ट सिनेमाई स्वभाव को बनाए रखते हुए, भंसाली यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी कथा व्यापक दर्शकों तक पहुंचे।

'लापता लेडीज' की मुरीद हुईं आलिया भट्ट

किरण राव द्वारा निर्देशित लापता लेडीज 1 मार्च, 2024 को नाटकीय रूप से रिलीज हुई। रिलीज होने पर, फिल्म को आलोचकों और दर्शकों से सकारात्मक समीक्षा मिली। मशहूर हस्तियों को भी राव की निर्देशन क्षमता और फिल्म के कलाकारों के शानदार अभिनय से प्यार हो गया। फिल्म 26 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। जैसे-जैसे फिल्म दिल जीत रही है, अभिनेत्री आलिया भट्ट ने पारिवारिक नाटक पर अपने विचार और राय साझा करने के लिए अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया।

फिल्म देखने के बाद, आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, फिल्मों में बहुत अच्छा समय बिताया। इन लेडीज, प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल, और सज्जन स्पर्श श्रीवास्तव और रवि किशन, वास्तव में मेरे दिल में हैं। इतनी खूबसूरत फिल्म और सभी कलाकारों का क्या शानदार प्रदर्शन! आप सभी को बधाई। फिल्म लापता लेडीज बिप्लब गोस्वामी के पुरस्कार विजेता उपन्यास पर आधारित है। किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म में स्पर्श श्रीवास्तव, प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल और रवि किशन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म दर्शकों को 2001 के ग्रामीण भारत में वापस ले जाती है। इसकी कहानी दो दुल्हनों के इर्द-गिर्द घूमती है जिनकी ट्रेन यात्रा के दौरान अदला-बदली हो जाती है। उतार-चढ़ाव से भरी यात्रा तब शुरू होती है जब उनके पति असली दुल्हन की तलाश शुरू करते हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म से धोबी घाट के बाद किरण राव ने निर्देशन में वापसी की।

बॉलीवुड | मन की बात

आउटसाइडर होने के कारण मुझे कई बार भेदभाव का शिकार होना पड़ा : राजकुमार

राजकुमार आज इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों में गिने जाते हैं। वह जिस भी किरदार को निभाते हैं उसे यादगार बना देते हैं। यही कारण है कि उनकी फिल्मों के लिए हमेशा ही दर्शक उत्साहित रहते हैं। बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के इस मुकाम को हासिल करना राजकुमार के लिए आसान नहीं था। हाल ही में उन्होंने अपने स्ट्रगल के दिनों का खुलासा किया है। ऐक्टर ने बताया कि कई बार तो उन्हें फिल्मों से बिना किसी वजह के रिप्लेस भी कर दिया जाता था। राजकुमार ने अपने ताजा इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने इस फिल्मी दुनिया के कई रंग देखे हैं। एक्टर ने बताया कि जब उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की, तब उन्हें कई फिल्मों से बाहर कर दिया था, क्योंकि वह किरदार दूसरे बड़े कलाकार निभाना चाहते थे। राजकुमार ने कहा, मुझे उस समय लगता था कि शायद यहां ऐसा ही होता होगा। आउटसाइडर होने के कारण मुझे कई बार भेदभाव झेलना पड़ा है। फिल्मों में रिप्लेस करने के अलावा लोग भी अलग नजरिए से देखते थे। एक्टर ने आगे कहा, मैं एक छोटे से कस्बे से हूं। शायद लोगों को लगता होगा कि ये कैसे लीड एक्टर बन सकता है। वहीं, राजकुमार ने इंडस्ट्री के उन लोगों की तारीफ भी की, जिन्हें इस बात से फर्क ही नहीं पड़ता कि कौन आउटसाइडर या कौन कहां से आता है। साथ ही स्त्री 2 की रिलीज पर एक्टर को इस फिल्म का पहला भाग याद आ गया, जिसमें वह खुद भी नजर आए थे। राजकुमार राव से जब पूछा गया कि वह हमेशा से क्या अलग तरह के किरदार ही करना चाहते थे? तो इस पर एक्टर ने कहा, यह मेरी पहली फिल्म थी। मेरे पास तब फिल्मों की लाइन नहीं लगी होती थी कि मैं उनमें से चुनाव करूं, लेकिन मुझे खुशी होती है कि यह फिल्म हिट गई थी। जहां तक हटकर फिल्में करने की बात है तो मैंने फैसला लिया था कि मैं ऐसी फिल्में करूं जिनमें मुझे खुद को ही चैलेंज करना हो।

इस चिड़िया की पॉटी है इतनी खतरनाक कि ले सकती है कई लोगों की जान

पक्षी देखने में सुंदर होते हैं, उनकी चहचाहट हर किसी का मन मोह लेती है। लेकिन कई पक्षी गंदगी बहुत फैलाते हैं। इसलिए लोग उनसे दूर रहना पसंद करते हैं। मगर सिर्फ यही वजह नहीं है। क्या आपको पता है कि दुनिया में कई पक्षी ऐसे हैं, जिनका मल आपकी जान ले सकता है। हाल ही में ब्रिटेन में ऐसे एक पक्षी को लेकर हाई अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को चेतावनी दी गई है कि इन पक्षियों से संभलकर रहें। अगर आपकी छत, बालकनी में इनका मल दिखे तो भूलकर भी न छुएं। ये आपकी जान भी ले सकता ह॥

एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के कीट नियंत्रण प्रमुख पॉल ब्लैकहर्स्ट ने चेतावनी दी है कि सीगल इस वसंत ऋतु में अपने जहरीले मल से लोगों को मार सकते हैं। इसलिए इनसे दूर ही रहें। सिर्फ कुछ दिन नहीं, बल्कि हफ्तों तक इनसे दूर रहना होगा। क्योंकि इनके मल में घातक ई कोली और साल्मोनेला वैक्टीरिया होते हैं, जो जानलेवा संक्रमण दे सकते हैं। सूखे हुए मल सांसों के माध्यम से आपके अंदर पहुंच सकते हैं। डरना इसलिए जरूरी है, क्योंकि इस मौसम में बहुत सारे सीगल घरों पर मंडराते हैं। कई लोग इनके लिए अपने घरों पर घोंसला भी बनाते हैं, ताकि ये आकर रहें। साइंटिस्ट का कहना है कि ऐसा बिल्कुल भी न करें। सिर्फ सीगल ही नहीं, कई पक्षियों की पॉटी खतरनाक होती है। पक्षी 60 से अधिक बीमारियों और बैक्टीरिया अपने साथ लेकर चलते हैं। इनमें से कई इंसानों के लिए जानलेवा हो सकते हैं। पक्षियों की बीट में विभिन्न जीव और कीड़े भी होते हैं जो सीधे संपर्क में आने पर समस्या पैदा कर सकते हैं। इतना ही नहीं, पक्षियों की बीट में यूरिक एसिड होता है, जो आसानी से कपड़ों पर दाग लगा सकता है। यह पेंट को खा जाता है। कबूतरों की पॉटी में इतना खतरनाक केमिकल होता है, जो काफी नुकसान पहुंचा सकता है। उदाहरण के लिए कबूतरों की पॉटी की वजह से सोलन का एक चर्च इतना बदसूरत हो गया कि उसे ठीक करने में 40 लाख रुपये खर्च हुए। स्लोवाकिया के गॉथिक कैथेड्रल चर्च को भी काफी नुकसान पहुंचा।

अजब-गजब | गुजरात के आदिवासी इलाके में शादी की है अजीब परंपरा

यहां दूल्हा नहीं बल्कि उसकी बहन दुल्हन के साथ लेती है 'सात फेरे' निभाती है शादी की सारी रश्में

शादी को लेकर दुनियाभर में अलग-अलग रिवाजें निभाई जाती है। आज हम आपको शादी से जड़े एक ऐसी ही विचित्र रिवाज के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां दूल्हे की बहन दुल्हन से शादी करती है। हम बात कर रहे हैं गुजरात के आदिवासी इलाकों की शादियों कि बारे में। जहां दूल्हा दुल्हन को नहीं लेकर आता बल्कि दूल्हे की बहन शादी कर दुल्हन को घर लेकर आती है। इस इलाके में दूल्हे को अपनी शादी में जाने की अनुमति नहीं होती। सबसे अनोखी बात तो ये है कि दूल्हा अपनी शादी के दिन अपने घर में रहता है और दूल्हे की बहन बारात में जाकर दूल्हे की सारी रस्में पूरी करती है।

इतना ही नहीं अगर दूल्हे की बहन नहीं होती तो परिवार की कोई कुंवारी कन्या दूल्हे की ओर से बारात लेकर दुल्हन के घर जाती है और सारे रीति-रिवाज से शादी कर दुल्हन को अपने घर लाती है। लेकिन शादी के दौरान दूल्हे को पूरी तरह तैयार किया जाता है। उसके हाथों में मेहंदी लगती है। उसे साफे के साथ शेरवानी पहनाई जाती है और हाथ में तलवार दी जाती है, बस उसे घर से बाहर नहीं जाने दिया जाता। स्थानीय लोगों का कहना है कि आम तौर पर सारी पारंपरिक रस्में जो दूल्हा निभाता है वह उसकी बहन करती है। यहां तक कि 'मंगल फेरे' भी बहन ही लेती है। इस तरह की शादी की परंपरा यहां के तीन गांवों में निभाई जाती है। ऐसा माना जाता है कि अगर शादी के दौरान इस तरह की रस्में न निभाई जाएं तो कुछ न कुछ अशुभ जरूर होता है। लोगों का कहना है कि हमने कई बार इस परंपरा को तोड़ने की कोशिश भी की। जब भी लोगों ने इस परंपरा को अस्वीकार कर इसकी अनदेखी की है उनका भारी नुकसान हुआ है। या तो शादी टूट जाती है या फिर कोई अनहोनी हो जाती है।

वहीं पंडितों का कहना है कि यह अनोखी परंपरा आदिवासी संस्कृति की पहचान है। यह एक लोककथा का हिस्सा है जिसका पालन अनंतकाल से चला आ रहा है। इस कथा के मुताबिक, तीन गांवों-सुरखेड़ा, सानदा और अंबल के ग्राम देवता कुंवारे हैं इसलिए उन्हें सम्मान देने के लिए दूल्हे घर पर ही रहते हैं। ऐसी मान्यता है कि ऐसा करने से दूल्हे सुरक्षित रहते हैं।

लाभ में पहुंचा अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन

» वित्त वर्ष 2024 में नेट प्रॉफिट 50 प्रतिशत रहा

» भारत के कार्गो ग्रोथ रेट से तीन गुना अधिक और 420 एमएमटी का रिकॉर्ड वॉल्यूम दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने आज 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही और बारह महीनों के लिए अपने परिणामों की घोषणा की है। एबिटडा में विदेशी मुद्रा एमटीएम लाभ या हानि का प्रभाव शामिल है।

क्वार्टर 4 वित्त वर्ष 24 में, विदेशी मुद्रा हानि 15 करोड रुपये है और क्वार्टर 4 वित्त वर्ष 23 में, विदेशी मुद्रा हानि 1 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 24 में, विदेशी मुद्रा हानि 113 करोड़ रुपये है और वित्त वर्ष23 में, विदेशी मुद्रा हानि 1,886 करोड़ रुपये है।

अनुमानित भविष्य के मुनाफे के आधार पर एपीएसईजेड ने क्वार्टर 2 वित्त वर्ष 24 में अपनी सहायक कंपनियों में से एक, एकेपीएल के लिए नई कर व्यवस्था पर स्विच करने का निर्णय लिया है। नतीजतन, पिछले साल एमएटी को राइट-ऑफ कर दिया गया था, जिससे वित्त वर्ष 24 पीएटी में 455 करोड़ रुपये की कमी आई है।

ऑपरेशन संबंधी मुख्य बातें

- वित्त वर्ष 24 में, एपीएसईजेड ने देश के कुल कार्गो का 27 प्रतिशत और कंटेनर कार्गो का 44 प्रतिशत संभाला।
- एपीएसईजेड घरेलू कार्गो वॉल्यूम में साल-दर-साल 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि वित्त वर्ष 2014 में भारत के कार्गो वॉल्यूम में 7.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- दो नए जोड़े गए पोर्ट्स (हाइफा - जनवरी 23 और कराईकल - मार्च 23) को छोड़कर भी, एपीएसईजेड ने कार्गो वॉल्यूम में 18 प्रतिशत साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की।
- वित्त वर्ष 24 में 180 एमएमटी (+16 प्रतिशत साल-दर-साल) कार्गो वॉल्यूम के साथ, हमारा प्रमुख पोर्ट, मुंद्रा, वित्त वर्ष 25 में 200 एमएमटी का आंकड़ा पार करने के लिए अच्छी स्थिति में है।

कंपनी ने तय किए गए लक्ष्यों को पार किया : अश्विनी गुप्ता

एपीएसईजेड के सर्वकालिक डायरेक्टर और सीईओ अश्विनी गुप्ता का कहना है कि एपीएसईजेड के लिए वित्त वर्ष 24 ऑपरेशनल और फाइनेंसियल, दोनों स्थिति के लिए काफी अच्छा रहा है। कंपनी ने साल की शुरुआत में तय किए गए लक्ष्यों को पार कर लिया है। कार्गो वॉल्यूम, रेवेन्यू और एबिटडा के लक्ष्य को 6 से 8 फीसदी ज्यादा हासिल किया गया है। साथ ही साल के अंत में कंपनी का नेट डेब्ट टू एबिटडा अनुपात 2.3 गुना रहा है, जो कि तय किए गए 2.5 गुना से कम है। कंपनी का एंड-टू-एंड सर्विस का बिजनेस मॉडल, बड़े ग्राहकों के साथ रणनीतिक साझेदारी, कई पोर्ट्स के नेटवर्क का फायदा उठाना और काम को बेहतर तरीके से करने पर ध्यान देने की रणनीति सफल साबित हो रही है। उन्होंने आगे कहा,दो वर्ष से भी कम समय में 100 एमएमटी की वृद्धिशील कार्गो वॉल्यूम प्राप्त करने के साथ, हाल ही में अधिगृहित गोपालपुर पोर्ट और चालू वर्ष में विज़िंजम पोर्ट और अगले साल डब्ल्यूसीटी के निर्धारित चालू होने से सहायता प्राप्त, एपीएसईजेड 2025 में 500 एमएमटी कार्गो वॉल्यूम हासिल करने के लिए अच्छी स्थिति में है। हम विशेष रूप से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में वृद्धि को गति देने के लिए व्यवसाय में भारी निवेश करना जारी रख रहे हैं। हमारा नया लॉन्च किया गया ट्रकिंग सेगमेंट एपीएसईजेड को अपने ग्राहकों को अंतिम छोर कनेक्टिविटी समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाता है। सस्टेनेबल बिजनेस ग्रोथ के लिए जारी हमारे प्रयासों को चार ग्लोबल रेटिंग एजेंसी द्वारा टॉप 10 प्रतिशत में शामिल किया गया है।

सीवर हादसा : कंपनी निदेशक-ठेकेदार समेत तीन पर हत्या का मुकदमा दर्ज

» छोटे बेटे का आरोप- पिता-भाई नीचे गिरे भाग निकले ठेकेदार व साथी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रेजीडेंसी के पास सीवर लाइन की सफाई करने के दौरान मजदूर पिता-पुत्र की मौत में पुलिस ने कंपनी केके स्पन के निदेशक और ठेकेदार के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। ठेकेदार ने दोनों को बिना ऑक्सीजन मास्क, सुरक्षा के अन्य उपकरण ही मेनहोल में उतार दिया था। दोनों की दम घुटने से मौत हो गई थी। मृतक सोबरन के छोटे बेटे विनय ने वजीरगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है। विनय ने आरोप लगाया है कि सफाई के दौरान दम घुटने से पिता शोबरन और भाई सुशील नीचे गिर गये। यह देखकर ठेकेदार और अन्य साथी भाग निकले थे। सीतापुर के कमलापुर निवासी विनय यादव ने बताया कि उसके पिता और भाई छह साल से हरियाणा, फरीदाबाद की कम्पनी केके स्पन इंडिया प्रा. लि. में सीवर सफाई कर रहे थे। वह लखनऊ से पहले कई अन्य जिलों में कम्पनी की साइट पर काम करने गए थे।

कम्पनी के डायरेक्टर हिमांशु गुप्ता, ठेकेदार केएस पाण्डेय, कैलाश दीक्षित ने पिता और भाई को लखनऊ में काम के लिये बुलाया था। बुधवार अपरान्ह तीन बजे पिता और भाई को बिना मास्क, सुरक्षा उपकरण मैनहोल से अंदर उतार दिया था। नीचे सफाई के दौरान जहरीली गैस से उनका दम घुटने लगा। दोनों लोग बेहोश होकर नीचे गिर पड़े। यह देख उनके साथी वहां से भाग निकले थे।

अधीर रंजन के बयान से बंगाल में बवाल, टीएमसी आग बबूला

» कांग्रेस नेता वायरल वीडियो में बोल रहे बीजेपी को वोट दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के बयान से बवाल मचा हुआ है। अधीर का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो कह रहे हैं कि अगर आगामी चुनाव में टीएमसी को वोट देने जा रहे हैं तो उससे अच्छा है कि आप बीजेपी को ही वोट दे दें। इस बयान के बाद टीएमसी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है।

सभी पार्टियां जनता तक अपनी बात पहुंचाने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ना चाहती है। बात अगर पश्चिम बंगाल की करें तो यहां टीएमसी और कांग्रेस दोनों अलग-अलग उम्मदवार उतार रही हैं। खास बात ये है कि टीएमसी और कांग्रेस इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन बंगाल में सीटों को लेकर दोनों पार्टियों में कोई बात नहीं बन पाई है। लिहाजा अब दोनों ही पार्टियां चुनाव में अपने बल पर उतरी है।

कांग्रेस-वाम दल और बीजेपी के बीच मिलीभगत : टीएमसी

टीएमसी ने चौधरी के बयान पर कहा कि उनके इस बयान से ये साफ है कि कांग्रेस-वाम दल और बीजेपी के बीच मिलीभगत हो गई है। अब ऐसे में राजनीति के जानकार मान रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में जो हालात हैं उससे ये तो साफ है कि कांग्रेस और टीएमसी सेल्फ गोल करने यानी खुद का नुकसान करने में जुटी है। इन सब के बीच टीएमसी ने कुणाल घोष को पार्टी के प्रदेश महासचिव पद से हटा दिया है। दरअसल एक चुनावी मंच पर कुणाल घोष ने बीजेपी उम्मीदवार की तारीफ करते नज़र आए थे।

बीजेपी महिला विरोधी पार्टी है : आतिशी

» आप मंत्री ने एलजी पर बोला हमला- दिल्ली महिला आयोग को बंद करने की साजिश रच रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा से ही महिला विरोधी पार्टी रही है। ये लोग रेवन्ना जैसे लोगों को चुनाव लड़वाते हैं। उसके बारे में सबकुछ जानते हुए भी प्रधानमंत्री हाथ फैलाकर वोट मांगते हैं। वहीं, इनकी सरकार पीड़ित और परेशान महिलाओं के लिए काम करने वाली संस्था दिल्ली महिला आयोग को बंद करने की साजिश रच रही हैं। बीजेपी हमेशा से ही महिला विरोधी पार्टी रही है।

ये लोग रेवन्ना जैसे दरिंदे को चुनाव लड़वाते हैं। उसके बारे में सबकुछ जानते हुए भी प्रधानमंत्री हाथ फैलाकर वोट मांगते हैं। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा-आरएसएस से जुड़े तमाम नेता वर्षों से कह रहे हैं कि आरक्षण को खत्म करना है। भाजपा के तमाम उम्मीदवार कह रहे हैं कि 400 सीट दे दो, संविधान बदलना है। प्रधानमंत्री इन बातों का जवाब दें। वहीं, अमित शाह ने साबित कर दिया कि भाजपा और उनकी ईडी का अरविंद केजरीवाल को समन भेजने का इरादा ही उन्हें गिरफ्तार करने का था। अमित शाह के बयान ने साफ कर दिया है कि दिल्ली आबकारी नीति में ईडी की जांच का मकसद आम आदमी पार्टी और हमारे नेताओं को परेशान करना है। आप मंत्री ने कहा कि जब से अरविंद केजरीवाल को ईडी के समन आना शुरू हुए तब से ही हम कह रहे थे कि यह समन भाजपा के हैं। ईडी से समन भिजवाकर भाजपा अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करवाना चाहती है। इसके बाद हुआ भी यही। अब तो अमित शाह ने भी यह बात खुद मान ली है कि ईडी का मकसद ही अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना था। जब से अरविंद केजरीवाल जी को ईडी के समन आना शुरू हुए तब से ही हम कह रहे थे कि यह समन बीजेपी के हैं।

223 नहीं दिल्ली महिला आयोग के 52 संविदाकर्मी ही बर्खास्त

दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) विभाग ने दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) के 52 संविदाकर्मियों को बर्खास्त कर दिया। पहले 223 संविदा कर्मियों को हटाने का आदेश दिया गया था। विभाग के मुताबिक, इन सभी की नियुक्तियां गैरकानूनी ढंग से की गई थीं। यह कार्रवाई जून 2017 में एक समिति की रिपोर्ट के आधार पर एलजी वीके सक्सेना की सिफारिश पर की गई है। 29 अप्रैल के आदेश में कहा गया था कि विभाग ने 223 संविदा कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं, पर बृहस्पतिवार को बयान जारी कर बताया कि 52 संविदा कर्मी ही बर्खास्त किए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि दरअसल 223 पद गैरकानूनी तरह से बनाए गए थे।

भुवी ने सनराइजर्स की बढ़ाई चमक

» रोमांचक मैच में हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 1 रन से दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हरा दिया है। आईपीएल 2024 के 50वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट खोकर 201 रन बनाए। इसके बाद रॉयल्स की टीम 20 ओवर में सात विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी। राजस्थान रॉयल्स की ओर से रियान पराग ने सबसे ज्यादा 77 रन बनाए।

सनराइजर्स के लिए भुवनेश्वर कुमार ने तीन और नटराजन-कमिंस ने 2-2 विकेट लिए। इस जीत के साथ पैट कमिंस के नेतृव वाली सनराइजर्स हैदराबाद की टीम पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम टॉप-4 से बाहर हो चुकी है। दूसरी तरफ राजस्थान रॉयल्स को टूर्नामेंट में दूसरी हार मिली है। इससे पहले गुजरात टाइटंस ने राजस्थान को मात दी थी। 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत खराब रही। टीम ने पहले ही ओवर में संजू सैमसन और जोस बटलर का विकेट गंवाया। भुवनेश्वर कुमार ने उन्हें आउट किया। दोनों बल्लेबाज खाता खोले बिना ही आउट हो गए।

यशस्वी-पराग की बेहतरीन साझेदारी गई बेकार

वहीं यशस्वी जायसवाल और रियान पराग के बीच तीसरे विकेट के लिए 78 गेंदों में 134 रन की बेहतरीन साझेदारी हुई। जहां यशस्वी ने 40 गेंद में 67 रन बनाए वहीं रियान पराग ने 49 गेंद में 77 रन की पारी खेली। हेटमायर 9 गेंद में 13 रन ही बना सके। ध्रुव जुरेल ने एक रन बनाए। इसके बाद पॉवेल ने अश्विन के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 11 गेंद में 18 रन की साझेदारी की, जिसकी बदौलत राजस्थान जीत के करीब पहुंचा। अंतिम ओवर में राजस्थान को सिर्फ 13 रन चाहिए थे और टीम पांच गेंद के बाद टारगेट हासिल करने के करीब पहुंच गई थी लेकिन पॉवेल आखिरी गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। पॉवेल ने 15 गेंद में 27 रन जड़े।

अमेठी में सेवा और सच्चाई की राजनीति वापस लाएंगे : प्रियंका गांधी

» अमेठी से उम्मीदवार केएल शर्मा को दीं शुभकामनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी आज अमेठी स्थित कांग्रेस कार्यालय पहुंचीं और अमेठी सीट से पार्टी उम्मीदवार केएल शर्मा को शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने इस जनता को संबोधित करते हुए कहा, मैं जल्दी में हूं क्योंकि मुझे भैया (राहुल गांधी) के नामांकन दाखिल करने में शामिल होने के लिए रायबरेली जाना है। किशोरी लाल शर्मा अमेठी से चुनाव लड़ने जा रहे हैं और आप उन्हें 40 साल से जानते हैं। वह अमेठी के मुद्दों से अच्छी तरह वाकिफ हैं, हम साथ मिलकर लड़ेंगे और किशोरी लाल शर्मा की जीत सुनिश्चित करेंगे। अमेठी में सेवा और सच्चाई की राजनीति वापस लाएंगे।

साल 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने अमेठी सीट से चुनाव लड़ा था। लेकिन उन्हें बीजेपी उम्मीदवार स्मृति ईरानी से हार का सामना करना पड़ा था। इसके साथ ही राहुल गांधी केरल ने वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ा था, जहां से जीत हासिल कर वह संसद पहुंचे थे, राहुल गांधी ने इस बार भी वायनाड से चुनाव लड़ा है। साल 2019 में सोनिया गांधी रायबरेली से सांसद चुनी गई थीं। इस बार स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा है। सोनिया गांधी राज्यसभा के जरिए संसद पहुंची हैं। ऐसे में सोनिया गांधी द्वारा खाली की गई सीट पर राहुल चुनाव लड़ने जा रहे हैं। वहीं अमेठी सीट से उम्मीदवार बनाए गए किशोरी लाल शर्मा को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का करीबी माना जाता है।

किशोरी लाल कर्तव्य के प्रति समर्पित प्रत्याशी

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, किशोरी लाल शर्मा से हमारे परिवार का वर्षों का नाता है। अमेठी, रायबरेली के लोगों की सेवा में वे हमेशा मन-प्राण से लगे रहे। किशोरी लाल की निष्ठा और कर्तव्य के प्रति उनका समर्पण अवश्य ही उन्हें इस चुनाव ने सफलता दिलाएगा, ढेर सारी शुभकामनाएं। उनका जनसेवा का जज्बा अपने आप में एक मिसाल है। आज खुशी की बात है कि किशोरी लाल को कांग्रेस पार्टी ने अमेठी से उम्मीदवार बनाया है।

लोकसभा चुनाव प्रचार में समन्वय बढ़ाने के लिए आप-कांग्रेस ने बनाई समिति

» आप के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने समिति का किया गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस ने दिल्ली में लोकसभा चुनावों के लिए एक समन्वय समिति का गठन किया है और यहां के सात संसदीय क्षेत्रों में से प्रत्येक के लिए समन्वयकों की घोषणा की है। दोनों दलों ने ऐसा इसलिए किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव प्रचार सुचारू और प्रभावी तरीके से हो।

इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के दो घटकों के बीच सीट-बंटवारे की व्यवस्था के तहत, कांग्रेस ने सात में से तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। आम आदमी पार्टी शेष चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सात चरण के चुनाव के छठे दौर में 25 मई को मतदान होना है। आप ने एक बयान में कहा कि दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए कांग्रेस के साथ जमीनी स्तर पर चुनाव प्रचार समन्वय शुरू करने के उद्देश्य से आप के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने समन्वय समिति का गठन किया है, जिसमें समन्वय की पूरी जिम्मेदारी दुर्गेश पाठक को सौंपी गई है। दुर्गेश पाठक राजेंद्र नगर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। दिल्ली कांग्रेस के संचार विभाग के अध्यक्ष और पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस और आप दोनों दिल्ली के सात लोकसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक के लिए एक पर्यवेक्षक की घोषणा करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पार्टियों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच चुनाव प्रचार सुचारू और प्रभावी तरीके से हो।

उन्होंने कहा, सभी सात सीटों पर 'इंडिया' के संयुक्त प्रचार अभियान की रूपरेखा तैयार करने के लिए शुक्रवार को समन्वय समिति की बैठक होगी। कार्यक्रमों में 'इंडिया' गठबंधन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सभी सात निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक बैठकें और रोड शो शामिल होंगे।

हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से लगा झटका

» मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत याचिका की खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। हेमंत सोरेन ने अपने चाचा के श्राद्ध में शामिल होने के लिए जमानत मांगी थी।

हालांकि, कोर्ट ने उन्हें पुलिस कस्टडी में रहते हुए अपने चाचा के श्राद्ध में शामिल होने की अनुमति जरूर दी है।

झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन अपने चाचा के श्राद्ध में शामिल होंगे, दरअसल, उन्हें झारखंड हाईकोर्ट की तरफ से इसके लिए मंजूरी मिल गई है। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि हेमंत सोरेन को पुलिस कस्टडी में रहते हुए ही श्राद्ध में शामिल होना है। अदालत ने अपने आदेश में ये निर्देश भी दिया है कि श्राद्ध में शामिल होने के दौरान हेमंत सोरेन मीडिया से कोई बात नहीं करेंगे। सोरेन ने कोर्ट में दाखिल अपनी याचिका में कहा था कि उनके चाचा राजाराम सोरेन का 27 अप्रैल को निधन हो गया। उन्हें उनके अंतिम संस्कार और श्राद्ध में भाग लेने की अनुमति दी जाए। इसके लिए उन्होंने 13 दिनों की अंतरिम जमानत की गुहार लगाई थी।

पुलिस कस्टडी में रहते हुए चाचा के श्राद्ध में शामिल होने की अनुमति

बता दें कि झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने अपने बड़े चाचा राजाराम सोरेन के अंतिम संस्कार शामिल होने के लिए कोर्ट में एक याचिका दी थी। लेकिन उस दौरान कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। उस दौरान पीएमएलए कोर्ट ने अंतरिम बेल की उनकी याचिका नामंजूर कर दी थी।

मैं मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ : मोदी

» पश्चिम बंगाल के बर्धमान में बोले पीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पीएम मोदी का चुनाव प्रचार अभियान इन दिनों बेहद जोरों पर चल रहा है। इसी सिलसिले में पीएम मोदी बंगाल दौरे पर हैं। पश्चिम बंगाल के बर्धमान-दुर्गापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, शायद दुनिया में कोई इंसान कल्पना तक नहीं कर सकता है कि ईश्वर रूपी जनता जनार्दन इतने आशीर्वाद बरसाएं और लगातार बरसाएं। आप भी जानते हैं अगर पद-प्रतिष्ठा की लालसा हो पीएम पद की लालसा हो तो एक बार इंसान पीएम की शपथ ले ले फिर उसके जीवन में ऊंचाई को प्राप्त हो ही जाती है, इतिहास में नाम दर्ज हो ही जाता है, लोगों को लगता है कि मोदी जी 2 बार पीएम रहे दुनिया में इतना नाम हो गया, अरे कभी तो आराम करो।

मैं मौज करने के लिए पैदा नहीं हुआ हूं, मैं खुद के लिए जीना नहीं चाहता हूं, मैं 140 करोड़ देशवासियों की सेवा करने के लिए निकला हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मोदी का एक ही सपना है, आपके सपनों को पूरा करना...मुझे ज्यादा से ज्यादा आशीर्वाद चाहिए ताकि मैं ज्यादा से ज्यादा आपकी सेवा कर सकूं, आप तो जानते हैं मेरे पास है ही क्या? ना आगे कुछ है ना पीछे कुछ है, मुझे किसी के नाम कुछ करके नहीं जाना है, मेरे लिए तो आप ही मेरे परिवार जन हैं, मेरा भारत मेरा परिवार-अगर मेरा कोई वारिस है तो देश के हर परिवार के बच्चे मेरे वारिस हैं, मैं उनके लिए कुछ छोड़ कर जाना चाहूंगा।

मैंने कहा था नई सीट ढूंढ रहे हैं शहजादे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार (3 मई) को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधा है। पश्चिम बंगाल के बर्धमान में रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी की रायबरेली से उम्मीदवारी पर कहा कि शहजादे को मालूम है कि वह वायनाड से भी हारने वाले हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग घूम-घूमकर कहते हैं कि डरो मत। आज मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वह डरे नहीं, भागे नहीं। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने पहले ही बता दिया था कि शहजादे वायनाड में हारने वाले हैं। हार के डर से मतदान समाप्त होते ही वह दूसरी सीट ढूंढने लग जाएंगे। पहले वह अमेठी से डरकर भाग गए और अब रायबरेली में रास्ता खोज रहे हैं। दरअसल, कांग्रेस ने रायबरेली और अमेठी से उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि किशोरी लाल शर्मा को अमेठी से टिकट दिया गया है. राहुल केरल की वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं, जहां दूसरे चरण में वोटिंग हो चुकी है।

फोटो : 4पीएम

नामांकन अमेठी में कांग्रेस प्रत्याशी केएल शर्मा के नामांकन में सड़कों पर उमड़े जनसैलाब का प्रियंका गांधी ने अभिवादन किया। इस मौके पर राजधानी लखनऊ में पूजा अर्चना की गई।

अब्बास अंसारी की याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जेल में बंद विधायक अब्बास अंसारी की याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। अब्बास अंसारी ने अपने दिवंगत पिता मुख्तार अंसारी के लिए आयोजित की जा रही विशेष प्रार्थना में शामिल होने देने की इजाजत मांगी थी।

गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्तार अंसारी की बीती 28 मार्च को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। अब्बास अंसारी की तरफ से वकील निजाम पाशा सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। वकील ने अब्बास अंसारी की याचिका को सूचीबद्ध करने की मांग की, जिस पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बताया कि कोर्ट ने पहले ही अब्बास अंसारी की याचिका को सूचीबद्ध कर दिया है। इससे पहले अब्बास अंसारी को अदालत ने बीती 10 अप्रैल को अपने पिता के फातिहा में शामिल होने की भी अनुमति दी थी। उस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से भी जवाब मांगा था। मऊ सदर सीट से पांच बार विधायक रहे मुख्तार अंसारी को 30 मार्च को सुपुर्द ए खाक किया गया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।